The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh) (a) and (b) Some complaints have been received by Government about the stoppage of rayon yarn supplies by the spinners as a result of the increases in the excise duties

(c) The whole matter is under the consideration of the Government

Transfer of Low Paid Railway Employees

5027. Shri M. L. Sondhi Will the Minister of **Railways** be pleased to state

(a) whether it is a fact that the Divisional Personnel Officer, Northern Railway, Delhi Division has issued transfer orders for the transfer of 600 low paid Railway employees immediately,

(b) if so whether the problem of housing and education for the children of the staff has been taken into consideration before issuing the order,

(c) whether the above order is in accordance with the instructions of the Railway Board, and

(d) if the reply to part (b) above be in the negative the reasons for not postponing the order till the next year?

The Minister of Railways (Shri C M Poonacha) (a) No

(b) to (d) *Does not arise*

श्रीलंका को कटपीस कपडे का निर्यात

5028. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री भक्त दास :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री रामजी राम :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि पिछले पांच वर्षों में श्रीलंका को भारतीय कट-पीस कपडे का निर्यात घटा है,

(ख) क्या इस का कारण यह है कि वहां बडी मात्रा में सूती कपडा तैयार किया जा रहा है,

(ग) क्या कट-पीस कपडे के निर्यात के संबंध में सरकार ने किसी अन्य देश के साथ बातचीत की है, और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और कटपीस कपडे का निर्यात घट जाने के परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा की कितनी हानि हुई है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) (क) से (घ) यदि कटपीस के कपडे का आशय चिन्दिया और कपडे के टुकडे हैं तो विदेशी व्यापार के विवरण में इन मदों के श्रीलंका को निर्यात संबंधी आकडे अलग नहीं रखे जाते। कटपीस के कपडे का कुल निर्यात नगण्य है। विशेष रूप में कटपीस के कपडे के निर्यात के लिये किसी भी देश से कोई बातचीत नहीं हुई क्योंकि इस का निर्यात व्यापार नगण्य है। फिर भी 1965 से श्रीलंका को कपडे के थानों (पीस गुड्स) के निर्यात में कमी हुई है जो अंशत श्रीलंका की सरकार द्वारा स्थानीय कपडा उद्योग को संरक्षण देने के कारण हुई है और इस के अन्य कारण भी हैं जैसे कि मूल्य सीमायें तथा चीन और उन अन्य देशों के साथ, जिन के साथ श्रीलंका के द्विपक्षीय करार हैं, प्रतियोगिता ।